कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय .... भूगोल ....

परीक्षा का दिन..........

दिनांक ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जावेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बाएँ ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 158/2016

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्ति पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में 'समाप्त' लिखकर अन्त के स रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सके
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामां नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचि साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे ह चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनि उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं ह चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परी समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1. " मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबन्धों का अध्ययन है " मानव भूगोल की उक्त परिभाषा एलन सी० सैम्पल ने दी थी ।

2. जनसंख्या घनत्व - जनसंख्या घनत्व से आशय है किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों और क्षेत्र के अनुपात की से है ।

$$\text{घनत्व} = \frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

सामान्यतः यह प्रति वर्ग कि.मी. क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या है ।

3. भारत जनगणना के अनुसार मुख्य श्रमिक और सीमान्त श्रमिक वर्गीकरण का मुख्य आधार एक वर्ष में मिलने वाले कार्य दिनों की संख्या से है ।
मुख्य श्रमिकों को एक वर्ष में 183 दिन कार्य उपलब्द होता है ।

5. विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी केवल 1 प्रतिशत है । भारत का उद्देश्य आगामी वर्षों में अपनी अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार भागीदारी को दुगुना करना है ।

6. भूमध्य सागरीय प्रदेश अपनी अनुकूल जलवायु, जल आदि की उपलब्धता के कारण प्राचीन काल से बसे हुए है । यह प्रदेश उत्कीर्ण खेती कृषि के लिए रहे है ।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

7. एक उद्गम एक गन्तव्य बिन्दु या एक क्षेत्र नोड होता है। दो नोडों को मिलाने वाली रेखा योजक होती है। इस प्रकार परिवहन पथों से बने जाल को परिवहन जाल कहते है। एक सघन परिवहन जाल मे विविध योजक होते है तथा असंख्य नोड।

8. 1991 की जनगणना के अनुसार भारत मे नगरीय बस्ती के लिए वांछित जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।

9. विश्व के सुदूर प्रदेश मे रह रहे अपने रिश्तेदारों से तत्काल सम्पर्क के लिए इन्टरनेट, मोबाइल, कम्प्यूटर आदि का प्रयोग किया जाता है। ये संचार के तत्काल संपर्क के साधन है।

10 नगरीय क्षेत्रों मे विशेष समय पर जैसे- कार्य स्थल पर जाने से पहले का समय व लौटने के समय, नगरीय संकुलता पाई जाती है।
(1) फ्लाई ओवरों, पुलों आदि का निर्माण करके नगरीय संकुलता से बचा जा सकता है।
(2) नगरों मे उच्च महामार्गों के निर्माण, एवं मार्ग विकेन्द्रीकरण द्वारा संकुलता से बचा जा सकता है।
(3) द्विगामी सड़क संरचना मे विस्तार करके।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

11. रैखिक प्रतिरूप की बस्तियों के परिदृश्य .
(1) महामार्गों, सड़कों और रेलवलाइनों के दोनों ओर विकसित बस्तियां .
(2) नदियों, नहरों आदि के तटस्थ क्षेत्रों में स्थित बस्तियां । ये बस्तियां इनके समान्तर विकसित हो जाती है ।

12. यदि भारत में महिला साक्षरता शत प्रतिशत हो जाए तो महिलाओं में जागरूकता बढ़ने के कारण भारत की उच्च वृद्धि दर में गिरावट आयेगी जिससे तीव्र जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगेगी ।

13. मध्य भारत के बुन्देलखण्ड में सुरक्षा की दृष्टि से गुच्छित ग्रामीण बस्तियों का निर्माण किया गया है ।

14. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की नगर रणनीति की प्राथमिकताएं -
(1) निर्धन नगरीय जनसंख्या के लिए 'आवास उपलब्धता'।
(2) मूलभूत नगरीय सुविधायें - स्वच्छता, पेयजल एवं ऊर्जा के साधनों की उचित व्यवस्था ।
(3) नगरीय वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना ।
(4) परिवहन, बाजार आदि व्यवस्थाओं में सुधार करना ।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

15. भारत मे लैगुन झीले, कटी-फटी एवं दन्तुरित तटीय क्षेत्रो मे पायी जाती है।
ये केरल, उडिसा आदि तटीय क्षेत्रो मे पायी जाती है। लैगुन झीलो का उपयोग यहाँ -
(1) नारियल एवं चावल की सिंचाई मे किया जाता है।
(2) मत्स्य पालन मे भी लैगुन झीलो का उपयोग किया जाता क्योंकि इसका जल छिछला एवं लवणीय होता है।

16. नगरीय गंदी बस्तियो की समस्याये -
(1) नगरीय गंदी बस्तियों मे भीड़-भाड़ होती है जहाँ सड़को एवं उचित परिवहन का अभाव होता है।
(2) नगरीय गंदी बस्तियों की संरचनाये अविकसित होती है, जिनमें पेयजल, बिजली आदि मूलभूत सुविधाओं का अभाव होता है।
(3) नगरीय गंदी बस्तियों मे स्वच्छता का निम्न स्तर होता है जिनसे अनेक बीमारियां उत्पन्न होती है जो निम्न स्वास्थ्य दशाओं को इंगित करती है।
(4) नगरीय गंदी बस्तियों की मुख्य समस्या व्याप्त प्रदूषण है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

17. कुटीर एवं लघु उद्योगो मे परंपरागत कौशलता का उपयोग किया जाता है। इसमे हाथों से निर्मित विभिन्न वस्तुये है जो स्थानीय रूप से परिवार के सदस्यों द्वारा निर्मित की जाती है। कुटीर उद्योगो का कार्य स्थल घर ही होता है।

छोटे पैमाने के उद्योगो मे कुछ निम्न तकनीकी का प्रयोग किया जाता है जिसमे कुछ मशीनो के द्वारा विनिर्माण शामिल है। छोटे पैमाने के उद्योगो का कार्य स्थल घर अथवा घर से बाहर भी हो सकता है जिनमे लघु कारखाने शामिल है।

18.

साक्षरता (2001 के अनुसार)		राज्य
(i) 47.53	–	बिहार (निम्नतम)
(ii) 54.46	–	जम्मू कश्मीर
(iii) 90.92	–	केरल (उच्चतम)
(iv) 61.03	–	राजस्थान

19. आधुनिक जीवन शैली मे ध्वनि प्रदूषण के कारण:

(1) उच्च शोर उत्पन्न करने वाले लाउडस्पीकरों, साउण्ड आदि का प्रयोग।

(2) कुछ कारखानों मे चलित भारी मशीनों से उत्पन्न

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

शोर एवं यातायात के विभिन्न साधनों से उत्पन्न शोर ध्वनि प्रदूषण के लिए उत्तरदायी है।

(3) वायुयान एवं रेल उच्च ध्वनि विस्तारक के रूप में ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाते है।

(4) विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उच्च ध्वनि-विस्तारक यंत्रों के प्रयोग से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है।

(5) विभिन्न परमाणु परीक्षणों, सैनिक युद्धाभ्यासों एवं खनन कार्यों से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है।

20. A प्रदेश की जनसंख्या = 85860

क्षेत्रफल = 530 वर्ग किलोमीटर

घनत्व = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$ व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.

$= \frac{85860}{530}$

= 162 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर

21. संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी पूर्वी भाग में अधिक मुद्रा प्राप्त करने के लिए वाणिज्यक कृषि की जाती है।

वाणिज्यक कृषि की विशेषतायें -

(1) वाणिज्यक कृषि में विशाल फार्मों का

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उपयोग किया जाता है जिनमें एकलीप्रकार की फसल उगायी जाती है। गेहूं इनमें प्रमुख है।

(2) इस कृषि में उच्च निवेश, तकनीकी एवं विभिन्न कृषि प्रौद्योगिकी की ~~उत्पिष्ठ~~ आवश्यकता होती है।

(3) इस प्रकार की कृषि में प्रति व्यक्ति उत्पादन अन्य कृषि प्रणालियों से अधिक होता है।

22. इन्दिरा गांधी नहर पंजाब में हरिके बैराज नामक बांध से निकलती है। इसका निर्माण 1958 में प्रारम्भ हुआ। यह पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी भू-भाग में पाकिस्तानी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के 40 किलोमीटर समांतर बहती है। इसका निर्माण दो चरणों में पूर्ण हुआ।

(1) इन्दिरा गांधी नहर शुष्क क्षेत्रों में सिंचाई एवं पेयजल के लिए स्वच्छ जल उपलब्ध कराती है।

(2) इन्दिरा गांधी नहर ~~विकास~~ समन्वित विकास से पिछड़े क्षेत्रों में फसल उत्पादन पर केन्द्रित है, यह उन क्षेत्रों कृषि के लिए उपयोग की जाती है।

(3) इन्दिरा गांधी नहर क्षेत्र के लघु एवं सीमांत कृषक कृषि कार्यों के अलावा मत्स्य पालन आदि अन्य क्रियाकलापों में नहर के जल का उपयोग करते है।

(4) इन्दिरा गांधी नहर से राजस्थान के गंगानगर हनुमानगढ़, बिकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर व नागौर जिले लाभान्वित हुए है। ये जिले रेगिस्तान के प्रभाव से पिछड़े जिले है।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

25. **साइबर स्पेस** - कम्प्यूटरीकृत आंकः प्रौद्योगिकी की अंकगणतीय दुनिया है। साइबर स्पेस का मुख्य उपयोग इन्टरनेट के माध्यम से किया जाता है। इन्टरनेट जो वर्ल्ड वाइड वेबसाइट जैसे माध्यमों से ज्ञान के विशाल भण्डार को उपलब्ध कराता है।

साइबर स्पेस प्रणाली में बढ़ोतरी उपग्रह संचार प्रणाली करती है। विभिन्न उपग्रहों के स्थापित होने के बाद प्रौद्योगिकी में क्रान्ति आयी। इन उपग्रहों में **आर्यभट्ट** (19 अप्रैल 1975), **भास्कर-1** (1980) **रोहिणी** (1980) एवं एप्पल (एरियन पैसेंजर पे लोड एक्सपेरिमेंट) आदि का प्रतिस्थापन प्रमुख है।

साइबर स्पेस प्रणाली का उपयोग विभिन्न वैज्ञानिक विधियों, संचार (वैयक्तिक एवं सार्वजनिक) सूचना संग्रहण, कम्प्यूटर में किया जाता है। इन विधियों से आज विश्व के 200 से भी अधिक देशों के करोड़ों लोग आपस में जुड़े हुए हैं। साइबर स्पेस विश्व की दूरियों को घटा दिया है।

26. व्यापार के दो स्तर होते राष्ट्रीय व्यापार एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार - दो या दो से अधिक देशों के मध्य होने वाले वस्तुओं एवं सेवाओं के आदान-प्रदान को व्यापार कहते हैं।

Scr

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विश्व अर्थव्यवस्था को बनाये रखने मे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की महत्व भूमिका है। प्रारम्भिक काल मे लंबी दूरियो के व्यापार को जोखिम पूर्ण समझा जाता था लेकिन वर्तमान समय मे विभिन्न विमानो एवं मालवाही जहाजों के उपयोग ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को सरल बना दिया है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार - अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को दो भागो मे बाँटा गया है।

(1) द्विपार्शिक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार - द्विपार्शिक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार दो देशों के मध्य किया जाता है। इसमे 'क' देश कच्चे माल के व्यापार के लिए सहमत हो सकता है यदि 'ख' देश इसके बदले उससे कुछ खरीदे। स्थिति इसके विपरित भी हो सकती है।

(2) बहुपार्शिक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार - जैसा की नाम से विदित है दो या दो से अधिक देशों के मध्य होने वाला व्यापार बहुपार्शिक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाता है, वही देश विभिन्न देशों के साथ व्यापार कर सकता है जो व्यापारिक राष्ट्रों को 'सर्वाधिक अनुकुल होने' (MFN) की स्थिति प्रदान करता है।

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

27\. ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों मे अन्तर -

(i) जनसंख्या के आधार पर - ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों को जनसंख्या के आधार पर पृथक किया जा सकता है। लेकिन विभिन्न देशों मे नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या का आकार भिन्न भिन्न माना गया है। कोलम्बिया मे नगरीय बस्ती होने के लिए न्यूनतम जनसंख्या 1500, वही अर्जेन्टाइना एवं पुर्तगाल मे यह 2000 तथा अमेरिका मे 2500, भारत मे 5000 तथा जापान मे 30,000 तक रखा गया है।

(ii) व्यवसायिक स्तर के आधार पर - नगरीय एवं ग्रामीण बस्तियों का वर्गीकरण उनके द्वारा संपादित कार्य के आधार भी किया जाता है। जैसे इटली मे वे क्षेत्र नगरीय है जिनकी 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र मे कार्यरत हो, वही भारत मे वे बस्तियां ग्रामीण है जिनमे 75 प्रतिशत से अधिक लोग कृषि कार्यों मे संलग्न होते है।

(iii) प्रशासनिक स्तर के आधार पर - कई देशो मे ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों के वर्गीकरण मे प्रशासनिक इकाईयों को आधार बनाया गया है। जैसे अमेरिका, ब्राजील मे सभी प्रशासनिक इकाईयों को नगरीय बस्ती माना गया है। भारत मे वे बस्तियां नगरीय है जिनमे किसी भी प्रकार

Scr

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2016

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2016

Subject : GEOGRAPHY

उ. (24)

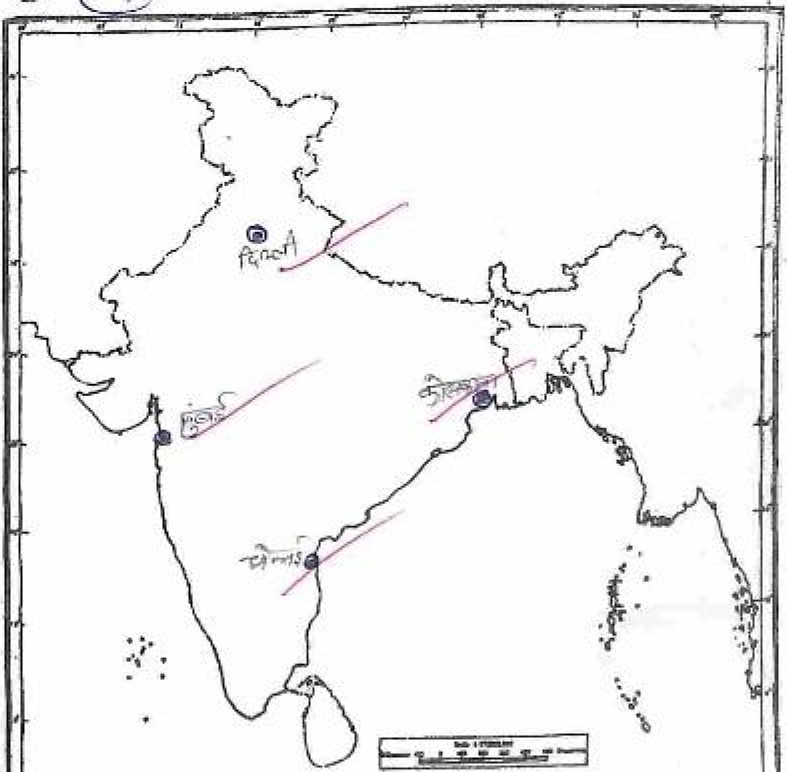

Sl.No. :

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2016

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2016

Subject : GEOGRAPHY

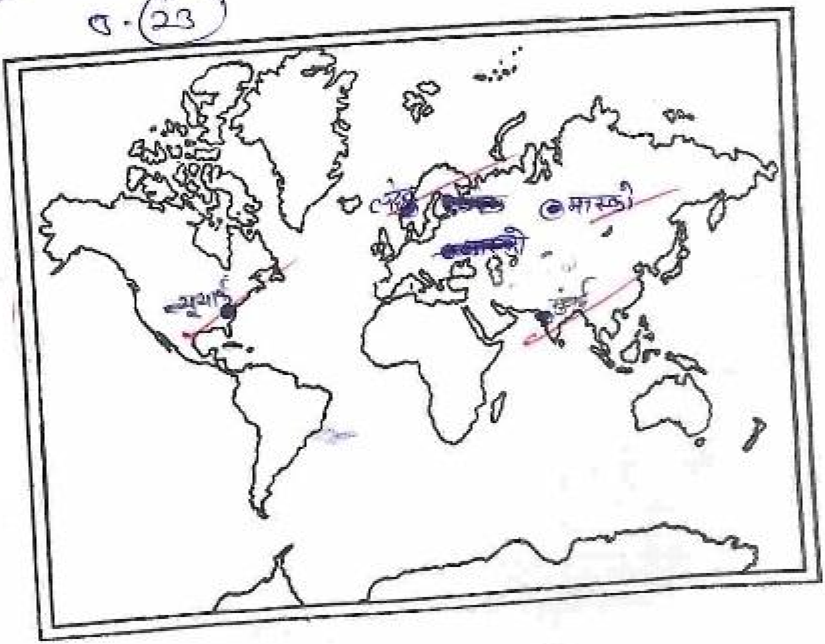

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

का बोर्ड, सामाजिक अधिसूचित बोर्ड या नगरपालिका हो।

28. **संचार** - विभिन्न माध्यमों से सूचनाओं, ज्ञान व विचारों का संकलन एवं सम्प्रेषण संचार कहलाता है। संचार के विभिन्न साधनों के माध्यम से ही संसार के विभिन्न क्षेत्रों के लोग जुड़े हुए हैं। संचार के साधन दो प्रकार के होते हैं-

(1) **वैयक्तिक संचार साधन** (तार, ई-मेल, इन्टरनेट)
(2) **सार्वजनिक संचार साधन** (टी.वी., रेडियो, इन्टरनेट)

विभिन्न जनसंचार साधन -

(1) **रेडियो** - रेडियो एक लंबे समय से आम लोगों के संचार का माध्यम है। रेडियो एक श्रव्य माध्यम है। इसका उपयोग सूचनाएँ प्राप्त करने, मनोरंजन आदि क्रियाकलापों में किया जाता है। विभिन्न विधानसभा सत्रों एवं बजट सत्रों के समय रेडियो में विशेष समाचार बुलेटिन प्रसारित की जाती है।

(2) **इन्टरनेट** - इन्टरनेट एक अन्तरक्रियात्मक संचार प्रणाली है। जिसके द्वारा वैयक्तिक एवं सार्वजनिक संचार किया जाता है। इन्टरनेट के माध्यम से ई-मेल, ई-बैंकिंग, ई-व्यापार आदि लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

23. उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक

(1) जल की उपलब्दता - उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने में जल सर्वाधिक अहम तत्व है। विभिन्न उद्योगों एवं उपभोग सभी उद्योगों में जल की आवश्यकता अनिवार्य है। अतः इसी कारण से अधिकतर उद्योग नदियों, झीलों एवं विभिन्न जलीय उपलब्दता वाले स्थानों में स्थित होते हैं।

(2) शक्ति के साधन - उद्योगों के क्रियान्वयन में विभिन्न शक्ति के साधनों का उपयोग किया जाता है जिनमें ऊर्जा उत्पन्न करने वाले खनिज प्रमुख है अतः उद्योगों को उन स्थानों पर अवस्थित किया जाता है जहाँ शक्ति के साधन आसानी से उपलब्द हो।

(3) कच्चे माल की उपलब्दता - उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व है कच्चा माल। उद्योग उन्ही स्थानों पर स्थापित किये जाते हैं जहाँ उद्योग के लिए कच्चा माल आसानी से उपलब्द हो उदाहरणार्थ लौह इस्पात उद्योग, लौह अयस्क उपलब्दता वाले क्षेत्रों में स्थापित किये जाते हैं। इसी प्रकार सूती वस्त्र उद्योग कपास उत्पादक क्षेत्रों में स्थापित किये जाते हैं।

(4) श्रमिकों की उपलब्दता - उद्योगों की अवस्थिति श्रमिकों की उपलब्दता पर भी निर्भर करती है। सामान्यतः उद्योग उन क्षेत्रों में अवस्थित किये जाते

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

है जहाँ कुशल श्रमिक आसानी से उपलब्ध है।

(ङ) **औद्योगिक नीति** - विभिन्न सरकारी नीतियाँ भी उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करती है। आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में सरकार उद्योगों की स्थापना को प्रमुखता देती है। भारत में झारखण्ड एवं छत्तीसगढ़ के क्षेत्रों में लौह इस्पात संयंत्र स्थापित करने का मुख्य कारण आदिवासी क्षेत्रों का विकास एवं उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाना ही था।

30. प्राथमिक क्रियाओं में पशुपालन प्रमुख है। आजीविका उपार्जन एवं अन्य आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए पशुचारण को महत्व दिया गया है।
विश्व के विभिन्न चरवाहे जिनमें ग्रामीण, पहाड़ी क्षेत्र के लोग, अल्पविकसित एवं पिछड़े जनजातीय क्षेत्र के लोग शामिल हैं, पशुचारण का कार्य करते हैं। पशुचारण में पशुओं को चराना एवं उनकी उचित देखभाल शामिल है।
चलवासी पशुचारण व वाणिज्यिक पशुचारण की तुलना निम्न है -

परीक्षार्थी द्वारा

— भटलांटिक तट से

(i) क्षेत्र -
चलवासी पशुचारण के प्रमुख क्षेत्र (i) उत्तरी अफ्रिका के क्षेत्र अरब प्रायद्वीपीय होता हुआ मंगोलिया व मध्य चीन तक है।
(ii) एशिया व यूरोप के टुंड्रा प्रदेश।
(iii) दक्षिणी अफ्रिका के मेडागास्कर द्विप समूह

वाणिज्यक पशुचारक के प्रमुख क्षेत्र - अमेरिका, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, युरुग्वे, एवं न्यूजीलैंड है।

(ii) प्रक्रिया -
- चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन निर्वाह व्यवसाय है। इसमें चरवाहे अपने भोजन, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भर होते है। वे अपने पशुओं के साथ जल एवं चरागाहों की उपलब्धता के लिए स्थानान्तरित होते रहते है।
- वाणिज्यक पशुचारण पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित पशुचारण विधि है। इसमें चरागाह निश्चित होते है उन्हे चरवाही नियंत्रण के लिए बाड लगाकर अनेक भागों मे बाट दिया जाता है। वाणिज्यक पशुचारण अपेक्षाकृत अधिक पूंजी प्रधान व्यवसाय है।

(iii) पालतू पशु
- चलवासी पशुचारण में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग पशु पाले जाते है, जैसे - शुष्क एवं रेगीस्तान क्षेत्रों मे ऊट, बकरी, ठण्डे प्रदेशो मे - रेडियर व कुत्ता

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भूमध्यसागरीय प्रदेशों में गाय, बैल आदि पशु पाले जाते हैं।
- वाणिज्यक पशुचारण में एक ही प्रकार के पशु पाले जाते हैं जिनमें - गाय, घोडा, आदि प्रमुख हैं।

5\. नियोजन के उपागम
(1) आय उपागम -
(2) आधारभूत संरचना उपागम -
(3) लक्ष्य उपागम -
(4) ~~अन्य~~
(5) प्रादेशिक नियोजन में उपरोक्त उपागमों का उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विभिन्न नीतियों एवं विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जाता है।

— समाप्त —